Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

World Water Day celebrated at CUH.

News Paper: Dainik Jagran **Date: 23-03-2022**

जल ही जीवन है, जल बचायें कल बचायें : प्रो. टंकेश्वर कुमार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में विश्व जल दिवस के अवसर पर मंगलवार को विशेषज्ञ व्याख्यान व विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर पानी के महत्व की ओर से ध्यान आकर्षित करते हुए प्रतिभागियों को जल बचाये कल बचाये का संदेश दिया। कुलपति ने कहा कि जल अनमोल है और इसका विकल्प उपलब्ध नहीं है इसलिए जल बचायें और लोगों को इसके महत्व से अवगत कराये। जल ही जीवन है और मानव जाति के कल्याण और विकास के लिए इसका संरक्षण अनिवार्य है। विशिष्ट अतिथि के रूप में एनआईटी कुरूक्षेत्र के प्रो. डीवीएस वर्मा उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा इंडियन वाटर रिसोर्सेज सोसाइटी, आईआईटी रूडकी व इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के डिपार्टमेंट ऑफ फीजिक्स एंड एस्ट्रोफीजिक्स की प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने विश्व जल दिवस की थीम ग्राउंड वाटर मेक इनविजीबल टू विजीबल पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के आरंभ में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग के अधिष्ठाता प्रोफेसर फूल सिंह ने आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। इसके पश्चात सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विकास गर्ग ने पानी के महत्व के बारे में विस्तार से बताया।

विश्व जल दिवस के अवसर पर आयोजित नुक्कड़ नाटक का दृश्य ● सौ. हकेवि

विशेषज्ञ वक्ता प्रो. डीवीएस वर्मा ने भूजल के महत्व, केंद्रीय भूजल बोर्ड की प्रमुख गतिविधियों, भूजल स्तर निगरानी नेटवर्क, राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना, भूजल को दृश्यमान बनाने के तरीके जैसे भूजल संरक्षण, इससे संबंधित आंकड़ों को जानने व एकत्र करने के उपायों आदि पर विस्तार से प्रकाश डाला। सिविल इंजीनियरिंग विभाग में सहायक आचार्य डॉ. विकास कुमार ने कहा कि इसके बिना जीवन की कल्पना भी कर पाना संभव नहीं है। विश्वविद्यालय परिसर में नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया और विभाग में विश्व जल दिवस की थीम पर केंद्रित पेंटिंग कंपीटिशन का भी आयोजन किया गया, जिसमें 300 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने जल संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में विभाग के सहायक आचार्य डा. अभिषेक जिंदल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

News Paper: Rastriya Khabar **Date: 23-03-2022**

जल ही जीवन है, जल बचाएं कल बचाएं : प्रो. टंकेश्वर

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मनाया गया विश्व जल दिवस

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में विश्व जल दिवस के अवसर पर मंगलवार को विशेषज्ञ व्याख्यान व विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर पानी के महत्व की ओर से ध्यान आकर्षित करते हुए प्रतिभागियों को जल बचाये कल बचाये का संदेश दिया। कुलपति ने कहा कि जल अनमोल है और इसका विकल्प उपलब्ध नहीं है इसलिए जल बचाये और लोगों को इसके महत्व से अवगत कराये। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि जल ही जीवन है और मानव जाति के कल्याण और विकास के लिए इसका संरक्षण अनिवार्य है। विश्वविद्यालय के द्वारा विश्व जल दिवस के अवसर पर आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में विशिष्ट अतिथि के रूप में एनआईटी

कुरूक्षेत्र के प्रोफेसर डीवीएस वर्मा उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा इंडियन वाटर रिसोर्सेज सोसाइटी, आईआईटी रूडकी व इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के डिपार्टमेंट ऑफ फीजिक्स एंड एस्ट्रोफीजिक्स की प्रोफेसर सुनीता श्रीवास्तव ने विश्व जल दिवस की थीम ग्राउंड वाटर मेक इनविजीबल टू विजीबल पर प्रकाश डालते हुए विशेषज्ञ वक्ता प्रोफेसर डीवीएस वर्मा का स्वागत किया और उनका परिचय कराया। कार्यक्रम के आरंभ में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग के अधिष्ठाता प्रोफेसर फूल सिंह ने आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। इसके पश्चात सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विकास गर्ग ने पानी के महत्व के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि अब समय आ गया है कि हम अपनी आने वाली पीढ़ी के विषय में गंभीरता के साथ सोचे और उनके लिए पानी को बचाने पर विशेष ध्यान दें। विशेषज्ञ वक्ता प्रो. डीवीएस वर्मा ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों व अन्य प्रतिभागियों को भूजल के महत्व, केंद्रीय भूजल बोर्ड की प्रमुख गतिविधियों, भूजल स्तर निगरानी नेटवर्क, राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना, भूजल को दृश्यमान बनाने के तरीके जैसे भूजल संरक्षण, इससे संबंधित आंकड़ों को जानने व एकत्र करने के उपायों आदि पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रो. वर्मा ने अपने संबोधन में जैव विविधता के लिए जल के महत्व और इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। आयोजन में सिविल इंजीनियरिंग विभाग में सहायक आचार्य डॉ. विकास कुमार, विद्यार्थियों को मनुष्य जीवन के लिए आवश्यक जल के महत्व से अवगत कराया और बताया कि इसके बिना जीवन की कल्पना भी कर पाना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि यह चिंता का विषय है कि मनुष्य ने अपनी व्यवसायिक गतिविधियों के द्वारा पृथ्वी पर पाए जाने वाले जल को संकट में डाल दिया है। उन्होंने बताया कि पृथ्वी पर मौजूद कुल जल में से 2.7 प्रतिशत जल ही पीने योग्य है ऐसे में इसके संरक्षण के लिए विशेष प्रयास किए जाने बेहद आवश्यक है। विश्वविद्यालय परिसर में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थियों द्वारा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया और विभाग में विश्व जल दिवस की थीम पर केंद्रित पेंटिंग कम्पीटिशन का भी आयोजन किया गया, जिसमें 300 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

News Paper: Panjab Kesari **Date: 23-03-2022**

जल अनमोल है, इसका विकल्प उपलब्ध नहीं : प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़, 22 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में विश्व जल दिवस के अवसर पर मंगलवार को विशेषज्ञ व्याख्यान व विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर पानी के महत्व की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए प्रतिभागियों को जल बचाएं कल बचाएं का संदेश दिया। कुलपति ने कहा कि जल अनमोल है और इसका विकल्प उपलब्ध नहीं है, इसलिए जल बचाएं और लोगों को इसके महत्व से अवगत करवाएं।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि

ह.के.वि. में मनाया विश्व जल दिवस

जल ही जीवन है और मानव जाति के कल्याण व विकास के लिए इसका संरक्षण अनिवार्य है।

इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में एन.आई.टी. कुरुक्षेत्र के प्रो. डी.वी.एस. वर्मा उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा इंडियन वाटर रिसोर्सिज सोसायटी, आई.आई.टी. रुडकी व इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के डिपार्टमैंट ऑफ फिजिक्स एंड एस्ट्रोफिजिक्स की

विश्व जल दिवस के अवसर पर आयोजित नुक्कड़ नाटक का दृश्य।

प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने विश्व जल दिवस के थीम 'ग्राऊंड वाटर मेक इनविजीबल टू विजीबल' पर प्रकाश डाला।

विशेषज्ञ वक्ता प्रो. डी.वी.एस. वर्मा ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों व अन्य प्रतिभागियों को भूजल के महत्व, केंद्रीय भूजल बोर्ड की प्रमुख गतिविधियों, भूजल स्तर निगरानी नैटवर्क, राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना, भूजल को दृश्यमान बनाने के तरीके जैसे भूजल संरक्षण व इससे संबंधित आंकड़ों को जानने व एकत्र करने के उपायों आदि के बारे विस्तार से बताया। इस दौरान विश्वविद्यालय परिसर में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थियों द्वारा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया और विभाग में विश्व जल दिवस की थीम पर केंद्रित पेंटिंग कॉम्पीटिशन का भी आयोजन किया गया, जिसमें 300 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने जल संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में विभाग के सहायक आचार्य डा. अभिषेक जिंदल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

News Paper: Dainik Tribune **Date: 23-03-2022**

विश्व जल दिवस

'मानव के विकास के लिए जल संरक्षण अनिवार्य'

नारनौल, 22 मार्च (निस)

महेंद्रगढ़ स्थित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) में विश्व जल दिवस के अवसर पर मंगलवार को व्याख्यान व विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने प्रतिभागियों को 'जल बचाये-कल बचाये' का संदेश दिया और कहा कि जल अनमोल है और इसका विकल्प नहीं है, इसलिए जल बचाये और लोगों को इसके महत्व से अवगत कराये। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि जल ही जीवन है और मानव जाति के कल्याण और विकास के लिए इसका संरक्षण अनिवार्य है। वहीं, राजकीय बॉयज पीजी कॉलेज की प्राचार्य डा.पूर्णप्रभा ने कॉलेज परिसर में शुरू हुए एनएसएस शिविर में कहा कि विश्व की वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए जल सरंक्षण जरूरी हो गया है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

News Paper: Amar Ujala **Date: 23-03-2022**

कुलपति ने दिया जल बचाएं-कल बचाएं का संदेश

विश्व जल दिवस : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विशेषज्ञ व्याख्यान व प्रतियोगिताओं का किया गया आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विश्व जल दिवस पर मंगलवार को विशेषज्ञ व्याख्यान, विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पानी के महत्व पर ध्यान आकर्षित करते हुए प्रतिभागियों को जल बचाएं- कल बचाएं का संदेश दिया। कुलपति ने कहा कि जल अनमोल है और इसका विकल्प उपलब्ध नहीं है। सभी जल बचाएं और लोगों को इसके महत्व से अवगत कराएं। जल ही जीवन है और मानव जाति के कल्याण और विकास के लिए इसका संरक्षण अनिवार्य है।

विवि द्वारा विश्व जल दिवस पर आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में विशिष्ट अतिथि के रूप में एनआईटी कुरुक्षेत्र के प्रो. डीवीएस वर्मा उपस्थित रहे। विवि के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा इंडियन वाटर रिसोर्सेज सोसायटी, आईआईटी रुड़की, इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में विवि के डिपार्टमेंट ऑफ फिजिक्स एंड एस्ट्रोफीजिक्स की प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने विश्व जल दिवस की थीम ग्राउंड वाटर मेक इनविजिबल टू विजिबल पर प्रकाश डालते हुए विशेषज्ञ वक्ता प्रो. डीवीएस वर्मा का स्वागत किया और उनका परिचय कराया।

स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विकास गर्ग ने पानी के महत्व के बारे में बताया कि अब समय आ गया है कि हम अपनी आने वाली पीढ़ी के विषय में गंभीरता के साथ सोचें और उनके लिए पानी को बचाने पर विशेष ध्यान दें।

विशेषज्ञ वक्ता प्रो. डीवीएस वर्मा ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों, अन्य प्रतिभागियों को भूजल के महत्व, केंद्रीय भूजल बोर्ड की प्रमुख गतिविधियों, भूजल स्तर निगरानी नेटवर्क, राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना, भूजल को दृश्यमान बनाने के तरीके जैसे भूजल संरक्षण, इससे संबंधित आंकड़ों को जानने, एकत्र करने के उपायों आदि पर प्रकाश डाला। सिविल इंजीनियरिंग विभाग में सहायक आचार्य डॉ. विकास कुमार, विद्यार्थियों को मनुष्य जीवन के लिए आवश्यक जल के महत्व से अवगत कराया।

सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया और विभाग में विश्व जल दिवस की थीम पर केंद्रित पेंटिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें 300 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने जल संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अभिषेक जिंदल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. डीवीएस वर्मा का अभिनंदन करती प्रो.सुनीता श्रीवास्तव। संवाद

जल की एक-एक बूंद सहेजें : डॉ. पीके शर्मा

नारनौल । विश्व जल दिवस के मौके पर जिले में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन द्वारा विभिन्न जगहों पर कार्यक्रम किए गए। जिला सलाहकार मंगतुराम सरसवा ने बताया कि नारनौल के राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 7 दिवसीय एनएसएस कैंप के शुभारंभ पर विश्व जल दिवस व जल जीवन मिशन संबंधित सेमिनार का आयोजन किया गया। मुख्यातिथि के रूप में हरियाणा शिक्षा बोर्ड के सह सचिव डॉ. पीके शर्मा, प्राचार्य पूर्ण प्रभा, जिला सलाहकार मंगतुराम सरसवा व नांदी के सामुदसियक एक्सपर्ट मणिप्रकाश उपस्थित रहे। डॉ. पीके शर्मा ने कहा कि आने वाली पीढ़ी को बचाने के लिए हमें आज से ही जल ही हर बूंद को सहेज कर रखने की जरूरत है। इसके लिए हमें सामूहिक प्रयास करने जरूरी है। प्राचार्य पूर्ण प्रभा ने कहा कि जल संरक्षण को हमें अपने व्यवहार में अपनाने की आवश्यकता है तभी हम जल को आने वाली पीढी तक सहेज कर रख पाएंगे। जिला सलाहकार मंगतुराम सरसवा ने 5 आर का फार्मूला बताते हुए कहा कि हमें जल की खपत कम करने के साथ-साथ भूमिगत जल को रिचार्ज करने, जल के रिसाइकिल के साथ-साथ जल की हर बूंद की इज्जत भी करनी होगी। जल की एक-एक बूंद को सहेज कर रखने की जरूरत है। कार्यक्रम में उपस्थितजनों को जल जीवन मिशन के कलेंडर पोस्टर व पंपलेट वितरित किए गए व जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई। जिला सलाहकार ने बताया कि अन्य खंडों में भी मनाया विश्व जल दिवस। महेंद्रगढ़ के आकोदा, अटेली के बाछौद, निजामपुर ब्राहमनवास, सिहमा के कलवाड़ी, कनीना के मोहनपुर व सतनाली के ढाणा के राजकीय विद्यालयों में संगोष्ठी स्कूल रैली व ग्राम पंचायत में ग्राम जल एवं सीवरेज समिति सदस्यों को जल संरक्षण विषय पर जानकारी प्रदान की। इस मौके पर बीआरसी इंद्रजीत, सुरेंद्र, सत्यपाल, प्रियंका, मणिप्रकाश, अंकुर, विकास व राहुल सहित एनएसएस के बच्चे उपस्थित रहे। संवाद

विद्यार्थियों ने जागरूकता रैली निकाली

मंडी अटेली। राजकीय महिला महाविद्यालय अटेली में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में विश्व जल दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कि अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रवीण यादव ने कि। प्रोफेसर संजय यादव ने जल संरक्षण पर व्याख्यान दिया।

जल जागरूकता रैली भी निकाली गई जिसमें जल के संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक किया। प्राचार्य ने कहा कि पृथ्वी जलीय ग्रह होने के बावजूद भी यहां पीने योग्य शुद्ध जल का अभाव है। संयुक्त राष्ट्र कि एक रिपोर्ट के अनुसार आज विश्व में दो बिलियन से ज्यादा लोगों को शुद्ध जल उपलब्ध नहीं हो पर रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण जल प्रदूषण व जल कि बर्बादी है। जल का विवेकपूर्ण इस्तेमाल करते हुए जल संरक्षण के उपाय करने चाहिए तभी हम आने वाली पीढ़ियों को संतुलित संसाधन भंडार उपलब्ध करवा पाएंगे। मंच संचालक राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी प्रोफेसर सुनीता व सुशीला यादव ने किया। प्राचार्य डॉ. प्रवीण यादव ने जल संरक्षण के प्रति जनजाग्रति के लिए प्रभात फेरी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर डॉ. मनीषा यादव, डॉ. सिकंदर, डॉ. इंद्रजीत, नीलम भारती, सविता नाहर, मंजूबाला, पूनम यादव, सुनील, राजकुमार, मनोज कुमार, अनूप, तेजप्रकाश व नरेश उपस्थित रहे। संवाद

रन फॉर वाटर का किया आयोजन

मंडी अटेली। शिक्षा के प्रसार और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी स्वयं सहायता समूह वाइब्रेंट रामपुरा फाउंडेशन ने विश्व जल दिवस के अवसर

पर रन फॉर वॉटर का आयोजन किया गया। संस्था ने गांव रामपुरा में घर-घर जाकर लोगों को जल संरक्षण और व्यर्थ बहते पानी के बारे में सर्वे कर उनको इस बारे जागरूक किया। वाइब्रेंट फाउंडेशन द्वारा भू जल पर एक सेमिनार का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में इस मानसून से पहले अरावली पर्वतमाला में एक झील निर्माण कार्य करने का प्रस्ताव पारित किया और अन्य भू जल संचयन द्वारा चेक डैम बनाने की रूप रेखा तैयार की। इस अवसर पर मुख्य रूप से संस्थापक सदस्य जगरूप, धर्मवीर पहलवान, विनोद राम, मुनेश, संतलाल, अनिल, मनीष, विकास, साहिल, कुलदीप पर्यावरण मित्र, नवीन व हिमानी ने फाउंडेशन के संस्थापक योगी प्रदीप निर्वाण के नेतृत्व में रन फॉर वाटर दौड़ में भाग लिया। संवाद

विश्व जल दिवस पर हुआ सेमिनार

महेंद्रगढ़। नगर के अटेली रोड पर स्थित राव जयराम वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में विश्व जल दिवस के अवसर पर जल संरक्षण के उपायों पर सेमीनार किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्यालय की प्राचार्या राजेश यादव थी। कार्यक्रम की

अध्यक्षता अंग्रेजी अध्यापक हरिसिंह यादव ने की। प्राचार्य राजेश यादव ने कहा कि पृथ्वी पूरे ब्रह्मांड का एकमात्र ऐसा ग्रह है जहां पानी और जीवन है। जल संरक्षण लोगों की अच्छी आदत से संभव है। जल का व्यर्थ उपयोग हमारे जीवन को संकट में डाल सकता है क्योंकि पृथ्वी पर का सिर्फ एक प्रतिशत पानी ही हमारे लिए उपयोगी है। हरिसिंह यादव ने बताया कि पानी सबसे महत्वपूर्ण पदार्थ हैं, जो जीवजंतु और मानव के लिए आवश्यक हैं। वर्तमान में जल का संरक्षण काफी आवश्यक हैं। संवाद

जल संरक्षण की दिलाई शपथ

महेंद्रगढ़। जीनियस एकेडमी में विश्व जल दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन कर जल संरक्षण के लिए विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। विद्यार्थियों को जल का संरक्षण करने की शपथ दिलाई गई। एकेडमी के डायरेक्टर अमित यादव कहा कि पानी हमारी बुनियादी जरूरत होने के साथ-साथ जीवन

का आधार भी है और इसी के महत्व को दर्शाने के लिए हर साल 22 मार्च को वर्ल्ड वाटर डे मनाया जाता है। इसका मुख्य लक्ष्य सभी के लिए पानी और स्वच्छता के समर्थन में वैश्विक जल संकट से निपटने के लिए कार्य करना है। पृथ्वी के आवश्यक तत्वों में से जल, जीवन की प्रमुख आवश्यकता है, इसके बिना सभी जीवित प्राणी और पौधे समाप्त हो सकते है। एकेडमी चेयरपर्सन सोनिका यादव ने कहा कि जल ही जीवन है हालांकि बढ़ते औद्योगीकरण, अति उपयोग और सभी प्राकृतिक स्त्रोतों के दोहन की वजह से मानव जीवन को पानी की कमी जैसी विकट परिस्थिति का सामना करना पड़ सकता है, चूंकि पानी सभी प्राणियों के अस्तित्व का अहम निर्माण खंड है। इस अवसर पर सुनील कुमार, दिलेर सिंह, देवेंद्र, नरेंद्र, विवेक, जीवन, वीरेंद्र, सोनू, महेश, सुरेंद्र सहित एकेडमी के स्टाफ व विद्यार्थी उपस्थित रहे। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

News Paper: Dainik Bhaskar **Date: 23-03-2022**

जल ही जीवन है, जल बचाएं कल बचाएं : प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़ | हकेंवि, महेंद्रगढ़ में विश्व जल दिवस के अवसर पर मंगलवार को विशेषज्ञ व्याख्यान व विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर पानी के महत्व की ओर से ध्यान आकर्षित करते हुए प्रतिभागियों को जल बचाएं कल बचाएं का संदेश दिया। कुलपति ने कहा कि जल अनमोल है और इसका विकल्प उपलब्ध नहीं है इसलिए जल बचाएं और लोगों को इसके महत्व से अवगत कराएं। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि जल ही जीवन है और मानव जाति के कल्याण और विकास के लिए

इसका संरक्षण अनिवार्य है। विश्वविद्यालय के द्वारा विश्व जल दिवस के अवसर पर आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में विशिष्ट अतिथि के रूप में एनआईटी कुरूक्षेत्र के प्रोफेसर डीवीएस वर्मा उपस्थित रहे।

प्रो. वर्मा ने जैव विविधता के लिए जल के महत्व और इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। सहायक आचार्य डॉ. विकास कुमार, विद्यार्थियों को मनुष्य जीवन के लिए आवश्यक जल के महत्व से अवगत कराया । पृथ्वी पर मौजूद कुल जल में से 2.7 प्रतिशत जल ही पीने योग्य है ऐसे में इसके संरक्षण के लिए विशेष प्रयास किए जाने बेहद आवश्यक है।

सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थियों द्वारा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया और विभाग में विश्व जल दिवस की थीम पर केंद्रित पेंटिंग कम्पीटिशन का भी आयोजन किया गया, जिसमें 300 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने जल संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अभिषेक जिंदल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।